हिन्दी साप्ताहिक

Rigistration No:- UABIL/25/A3383

उत्तराखण्ड अभ्युदय

♦वर्ष -02 ♦ अंक-23 ♦देहरादून - रविवार 05 अप्रैल 2026 ♦पृष्ठ : 4 ♦मूल्य: 1/-१५

मुख्यमंत्री ने किया निर्माणाधीन अत्याधुनिक साइंस सेंटर का निरीक्षण

देहरादून)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को जनपद चम्पावत के भ्रमण के दौरान लगभग घ्5.52 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन अत्याधुनिक साइंस सेंटर का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति एवं समयबद्धता का बारीकी से अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित वैज्ञानिक गैलरियों एवं चार मंजिला साइंस कैंपस सुविधा का अवलोकन किया। इस कैंपस में 40 विद्यार्थियों के लिए छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे यह केंद्र विद्यार्थियों के लिए आवासीय वैज्ञानिक शिक्षण का भी महत्वपूर्ण स्थल बनेगा।

इस अवसर पर यूकॉस्ट के महानिदेशक डॉ. दुर्गेश पंत ने अवगत कराया कि दो मंजिला साइंस गैलरी ब्लॉक में "फन साइंस गैलरी", प्रदर्शनी कक्ष, विज्ञान एवं कृषि गैलरी, प्रशिक्षण हॉल तथा अत्याधुनिक एस्ट्रोनॉमी गैलरी विकसित की जा रही है। इसके अतिरिक्त परिसर में 120 क्षमता वाला ऑडिटोरियम, 71 सीटों वाला आधुनिक प्लैनेटेरियम (तारामंडल) ख्र जिसमें इनर एवं आउटर डोम की सुविधा होगी ख्र तथा स्टाफ के लिए कॉन्फ्रेंस एवं डेवलपमेंट हॉल जैसी विश्वस्तरीय व्यवस्थाएं भी स्थापित की जा रही हैं।

निरीक्षण के उपरांत मुख्यमंत्री ने विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार किए गए विज्ञान मॉडलों का अवलोकन किया तथा नन्हे वैज्ञानिकों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह साइंस सेंटर भविष्य में प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि विज्ञान के बिना विकास की परिकल्पना अधूरी है और इस केंद्र के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को भी आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों एवं खगोल विज्ञान को समझने का अवसर प्राप्त होगा। राज्य सरकार का उद्देश्य युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित कर उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। साथ ही उन्होंने निर्माण के दौरान पर्यावरणीय मानकों एवं श्रमिकों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने पर भी बल दिया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद सिंह अधिकारी, दर्जा राज्य मंत्री श्याम नारायण पांडे, भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सिंह सामंत, भाजपा प्रदेश मंत्री निर्मल मेहरा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडे, ब्लॉक प्रमुख अंचला बोहरा, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जी. एस. खाती, अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

धामी सरकार की बड़ी उपलब्धि: ऋषिकेश बाईपास 4-लेन के लिए 1105 करोड़ की मंजूरी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निरंतर प्रयासों और प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप ऋषिकेश बाईपास के 4-लेन निर्माण कार्य को भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से बड़ी स्वीकृति प्राप्त हुई है। मंत्रालय द्वारा इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए घ्105.79 करोड़ की तकनीकी, प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। यह बहुप्रतीक्षित परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-7 पर टीनपानी फ्लाईओवर (किमी 529.750) से लेकर खरासोटे पुल (किमी 542.420) तक विकसित की जाएगी। लगभग 12.670 किलोमीटर लंबा यह बाईपास भट्टोवाला एवं ढालवाला गांवों से होकर गुजरेगा और इसे म्च्ब् (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एवं कंस्ट्रक्शन) मोड पर क्रियान्वित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सड़क कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश बाईपास परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र में यातायात का दबाव कम होगा, जाम की समस्या से राहत मिलेगी और स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ चारधाम यात्रा एवं पर्यटन गतिविधियों को भी बड़ी सुविधा प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, " यह परियोजना उत्तराखंड के समग्र विकास और बेहतर कनेक्टिविटी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारी सरकार राज्य के दूरस्थ और शहरी क्षेत्रों को मजबूत सड़क नेटवर्क से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।"

मंत्रालय के अनुसार, इस परियोजना के लिए प्रारंभिक अनुमान घ्151.18 करोड़ था, जिसे संशोधित कर घ्139.40 करोड़ किया गया और अंततः घ्105.79 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है।

परियोजना को तीन वर्षों की समयावधि में पूरा किया जाएगा और कार्य में किसी प्रकार की लागत या समय वृद्धि स्वीकार नहीं की जाएगी। निविदाएं ई-टेंडरिंग प्रक्रिया के माध्यम से आमंत्रित की जाएंगी तथा सभी कार्य निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप किए जाएंगे। इस परियोजना के लिए व्यय वित्त वर्ष 2025-26 में भारत सरकार के बजट प्रावधान (ळठै) के अंतर्गत किया जाएगा। देहरादून स्थित क्षेत्रीय अधिकारी को इस कार्य के लिए ड्रॉइंग एवं डिस्बर्सिंग ऑफिसर (क्क्ब्) नामित किया गया है।

इस परियोजना के पूर्ण होने से ऋषिकेश क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुगम होगी, जाम की समस्या में कमी आएगी तथा राज्य के आर्थिक और पर्यटन विकास को नई गति मिलेगी।

आदर्श जनपद" की दिशा में तेजी से आगे बढ़ता चम्पावत

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद चम्पावत के समग्र विकास को नई दिशा देते हुए बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, कृषि, पेयजल, सिंचाई, पर्यटन एवं खेल

क्षेत्र से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चम्पावत को "आदर्श जनपद" के रूप में विकसित करने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनपद चम्पावत के विकास के लिये चम्पावत में प्रशिक्षण हेतु टाइप-3/4 आवासीय परिसर तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय भवन का निर्माण के साथ डिस्ट्रिक्ट अर्ली इंटरवेंशन सेंटर एवं जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की स्थापना की घोषणा की। उन्होंने 1000 परिवारों को मौन पालन (मधुमक्खी पालन) हेतु प्रशिक्षण आदि के लिये घ्2 करोड़ की धनराशि की स्वीकृति प्रदान करते हुए मोनपोखरी से नीड तक 2 किमी सड़क का डामरीकरण एवं सुधारीकरण, अमोड़ी-छतकोट बाईपास में 5 किमी मोटर मार्ग/पुल निर्माण, जनपद में 50 हैंडपंपों की स्थापना, क्षेत्र पंचायत पाल्सो में आंतरिक टाइल्स मार्गों का निर्माण, ग्राम शक्तिपुरबूंगा क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम में 10-10 सोलर लाइट की व्यवस्था की घोषणा की।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने ब्यानधूरा बाबा मंदिर सहित सभी मेला स्थलों का सौंदर्यीकरण, नागनाथ मंदिर के समीप रामलीला मंच का निर्माण एवं विकास, चम्पावत में भवन एवं व्यापारिक परिसर का निर्माण, ढकना-बडोला से सेरोला तक लिंक मार्ग निर्माण, बनलेख से हिंगला देवी मंदिर तक मोटर मार्ग, पूर्वांचल एग्रो संस्कृत विद्यालय का पुनरोत्थान, जल संस्थान कार्यालय हेतु जल भवन का निर्माण, मनेश्वर-चौड़ा राजपुर मार्ग एवं उससे जुड़े मार्गों में इंटरलॉकिंग टाइल्स का कार्य, 20 स्थानों पर सोलर लिफ्ट पेयजल सिंचाई योजनाओं की स्थापना, जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा एवं कृषकों की आय वृद्धि हेतु घ्5 करोड़ की सामूहिक घेरबाड़ योजना की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने अमोड़ी-सिप्टी मोटर मार्ग पर दो वैली ब्रिजों के निर्माण, खर्ककार्की क्षेत्र में खेल मैदान का विकास, विकास भवन चम्पावत का कुमाऊनी शैली में पुनरोद्धार तथा ग्राम सभा नघान से डोडेश्वर मंदिर तक सड़क निर्माण की भी घोषणा की।मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी घोषणाओं का क्रियान्वयन गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनपद के नागरिकों को शीघ्र लाभ मिल सके। इस दौरान दायित्वधारी श्याम नारायण पांडे, अध्यक्ष जिला पंचायत आनंद सिंह अधिकारी, भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत, अध्यक्ष नगर पालिका चंपावत श्रीमती प्रेमा पांडेय, लोहाघाट गोविंद वर्मा, ब्लॉक प्रमुख अंचला बोहरा, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव, मुख्य विकास अधिकारी डॉ जीएस खाती, व्यापार मंडल अध्यक्ष विकास शाह, सहित अनेक जनप्रतिनिधि , विभागीय अधिकारी कर्मचारी, भूतपूर्व सैनिक, वीर नारियां एवं बड़ी संख्या में नागरिक व अन्य मौजूद रहे।

रोड रेज और हुड़दंग की घटनाओं पर की गहरी नाराजगी व्यक्त

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने मंगलवार को सचिवालय में शहर में लॉ एंड ऑर्डर को लेकर गृह और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक ली। मुख्य सचिव ने रोड रेज और हुड़दंग की घटनाओं के बढ़ने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए ऐसी घटनाओं रोकने के लिए निगरानी बढ़ाए जाने और हुड़दंगियों पर कठोर कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि देहरादून शहर और उसके आसपास के क्षेत्रों में पुलिस की गस्त बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसएसपी देहरादून को अपने सभी थानेदारों को पीक ऑवर में गस्त बढ़ाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि डे - नाईट पेट्रोलिंग के साथ ही मॉर्निंग पेट्रोलिंग को भी बढ़ाया जाए।मुख्य सचिव ने बार और रेस्टोरेंट क्लोजिंग के लिए निर्धारित समय को कठोरता से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि सप्ताहांत में देहरादून को पार्टी और हुड़दंगियों को अड्डा ना बनने दिया जाए, इसके लिए हुड़दंगियों पर कठोर कार्रवाई किए जाने के साथ ही बार संचालकों को भी इसके लिए जागरूक करते हुए समय पर बार बंद कराये जाने को एनफोर्स कराया जाए।

सम्पादकीय

चारधाम यात्रा 2026

गंगोत्री,यमुनोत्री च,बद्रीकेदारनाथय:।
चतुर्धामं समायाति, पुण्यभूमौ दिवं यथा।।
धर्मयात्रा शुभं यातु, भक्तजनहिताय च।
देवभूमौ सदा तिष्ठेत, हरिहराणां कृपारसा।।

अर्थात

गंगोत्री,यमुनोत्री,बद्रीनाथ और केदारनाथख़्ये चार धाम मिलकर पुण्यभूमि में दिव्य-स्थान बनाते हैं।

इस पवित्र यात्रा का आयोजन शुभ हो ,मंगलमय हो, जिससे भक्तों को कल्याण प्राप्त हो और देवभूमि पर सदा हरि-हर (विष्णु-शिव) की कृपा बनी रहे।

इस वर्ष चारधाम यात्रा 19 अप्रैल,2026 को अक्षय तृतीया के अवसर पर यमुनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुलने के साथ शुरू होगी। 22 अप्रैल को केदारनाथ और 23 अप्रैल को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 6 मार्च से शुरू हो चुके हैं, जो तमहपेजतंजपवद.ना.हवअ.पद पर किए जा सकते हैं। पूर्व के वर्षों की तरह इस वर्ष भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में इन धामों के दर्शन के लिए आएंगे।

चारधाम यात्रा का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। माना जाता है कि इन चारों धामों के दर्शन करने से व्यक्ति के पाप नष्ट होते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक शांति देती है, बल्कि हिमालय की सुंदर प्राकृतिक वादियों का अनुभव भी कराती है।

यात्रा के दौरान सरकार द्वारा सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा और पंजीकरण की व्यवस्था की जाती है, जिससे यात्रा अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनती है।

चारधाम यात्रा आस्था, प्रकृति और साहस का अद्भुत संगम है, जो हर श्रद्धालु के लिए एक यादगार अनुभव बनती है।

आध्यात्मिक यात्रा यूं ही चलती रहे, जन-मन में सुख शांति बनी रहे, यही ईश्वर से कामना है।

जय देवभूमि उत्तराखंड!!जय भारत!!

डॉ.गार्गी मिश्रा

चूंकि चाल सियासी है

सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी सटीक है कि सारे आंकड़े सार्व. जनिक दायरे में रखना उचित होगा, ताकि ऐसी नीतियां बन सकें, जो आम जानकारी पर आधारित हो। मगर बड़ा सवाल यह है कि क्या ऐसी नीतियां बनाना सचमुच बिहार सरकार के एजेंडे में है? बिहार सरकार ने जातीय सर्वेक्षण के आंकड़ों के बारे में सुप्रीम कोर्ट में उलटा तर्क रखा। राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि सर्वे से प्राप्त आंकड़ों पर अभी काम किया जा रहा है। आंकड़ों का विश्लेषण पूरा होने के बाद उन्हें सार्वजनिक कर दिया जाएगा। यह तर्क उलटा इसलिए है क्योंकि विश्लेषण का काम पूरा हुए बिना ही नीतीश कुमार सरकार ने राज्य सरकार की नौकरियों में आरक्षण को बढ़ाकर 75 प्रतिशत कर दिया। जाहिर है, महागठबंधन सरकार का मकसद आरक्षण बढ़ाकर एक खास राजनीति संदेश देना था। इस कदम का आधार तैयार करने के लिए उसने जातीय सर्वेक्षण करवाया था। बहरहाल, अगर राज्य सरकार का मकसद सचमुच जातीय आधार पर पिछड़ेपन को दूर करना होता, तो वह पहले ईमानदारी से सारे आंकड़े सार्वज. निक दायरे में रखती- फिर उनके आधार पर सार्वजनिक बहस आयोजित की जाती। इस तरह पिछड़ापन दूर करने के लिए सू. चना और समझ आधारित विक. ास नीति का निर्माण हो सकता था। संभव है कि इस बहस के दौरान समझ बनती कि आरक्षण में वृद्धि भी एक जरूरी कदम है। लेकिन इसके साथ कई और कदमों पर अमल करने की बात सामने आती, क्योंकि आरक्षण में बढ़ोतरी अपने-आप में पर्याप्त उपाय नहीं है। मगर बिहार की सत्ताधारी पार्टियों का मकसद जातीय भा. वना उभार कर चुनावी बैतरणी पार करना है। अब चूंकि एक जन हित याचिका के जरिए मुद्दा सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है, तो प्रदेश सरकार को न्यायिक निर्णय का इंतजार करना होगा। इस बीच सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी सटीक है कि सारे आंकड़े सार्व. जनिक दायरे में रखना उचित होगा, ताकि राज्य सरकार ऐसी नीतियां बना सके, जो आम जानकारी पर आधारित हो। मगर बड़ा सवाल यह है कि क्या ऐसी नीतियां बनाना सचमुच बिहार सरकार के एजेंडे में है? अगर ऐसी नीतियों पर सचमुच अमल करना हो, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, और जन कल्याण से संबंधित उसके मौजूदा कार्यक्रमों में बुनियादी बदलाव करने होंगे। इस दरम्यान कई ऐसे सवाल उठेंगे, जिससे सत्ताधारी दलों के लिए असहज स्थितियां बनेंगी। दरअ. सल, चूंकि ये दल वैसे सवालों का सामना नहीं करना चाहते, इसलिए ही उन्होंने शॉर्टकट का सहारा लिया है।

प्रमोशन से जुड़े प्रकरण के निस्तारण को शासन स्तर पर हरकत

देहरादून(आरएनएस)। विभागों में प्रमोशन के खाली पड़े पदों को भरने को लेकर शासन स्तर पर भी हरकत शुरू हो गई है। अपर मुख्य सचिव कार्मिक आनंद बर्द्धन ने 24 मई को शासन में बैठक बुलाई है। मंगलवार को इसके आदेश जारी किए गए। बैठक में एकल पद धारक कर्मचारियों की समस्याओं और उच्च शिक्षा विभाग में कार्यरत प्रयोगशाला सहायकों समेत अन्य संवर्गों के प्रमोशन से जुड़े प्रकरणों के निस्तारण पर चर्चा होगी। अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने विभागीय सचिवों, विभागाध्यक्षों को बैठक में पूरी तैयारी के साथ पहुंचने के निर्देश दिए। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश प्रवक्ता आरपी जोशी ने बताया कि राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद लगातार एकल पद धारक कार्मिकों की समस्याओं के निस्तारण को दबाव बना रहा है। उच्च शिक्षा विभाग में कार्यरत प्रयोगशाला सहायक और विभिन्न विभागों में कार्यरत स्टोर कीपर संवर्ग की पदोन्नति सुनिश्चित किए जाने की मांग की जा रही है। अध्यक्ष अरुण पांडे और महामंत्री शक्ति प्रसाद भट्ट ने कहा कि पहले ये बैठक आठ मई को होनी थी, जो अब 24 मई को बुलाई गई है। बैठक में परिषद के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

हिंदुत्व से आगे भी भाजपा का दांव

अजीत द्विवेदी

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जो माहौल बना है उसी के असर में अगले लोकसभा चुनाव की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। वैसे लोग जो मंदिर के कार्यक्रम का प्रत्यक्ष विरोध नहीं कर रहे हैं लेकिन इसके राजनीतिक इस. तेमाल और असर से चिंतित हैं वे सोशल मीडिया में इसे लेकर तंज कर रहे हैं। वे लिख रहे हैं कि फॉक्सकॉन की फैक्टरी गुजरात में लगेगी, टाटा-एयरबस की फैक. टरी गुजरात में लगेगी, टेस्ला की भी फैक. टरी गुजरात में लगेगी, बुलेट ट्रेन गुजरात में चलेगी और उत्तर प्रदेश में मंदिर बनेगा! इन कटाक्ष के जरिए यह नैरेटिव बनाने का प्रयास हो रहा है कि समूचे उत्तर भारत में हिंदू आस्था को उभार कर वोट की राजन. ीति हो रही है, जबकि औद्योगिक विकास और रोजगार की व्यवस्था गुजरात में की जा रही है। यह भी कहा जा रहा है कि उत्तर प्रदेश और बाकी हिंदी पट्टी के राज्यों के युवाओं को गुजरात जाकर ही नौकरी करनी है क्योंकि नरेंद्र मोदी की सरकार उत्तर भारत में रोजगार के अवसर पैदा करने वाले उद्योग नहीं लगवा रही है। एक स्तर पर यह बात सही है और निश्चित रूप से युवाओं को एक समूह को यह बात अपील भी करती होगी। लेकिन क्या यह बात व्यापक हिंदू समाज को प्रभावित कर पाएगी? यह मुश्किल लगता है क्योंकि मंदिर और आस्था का मामला मोदी और भाजपा के चुनावी दांव का सिर्फ एक पहलू है। नरेंद्र मोदी ने मंदिर के कार्यक्रम को सिर्फ हिंदू आस्था और मंदिर मुद्दे तक सीमित नहीं रहने दिया है। उन्होंने आस्था के साथ हिंदू गौरव को जोड़ दिया है और उसके साथ आधारभूत ढांचे के विकास, रोजगार की संभावना और शहरों के सौंदर्यीकरण को भी शामिल किया है। इसके साथ साथ विश्वकर्मा योजना के जरिए जातियों को साधने की व्यवस्था की गई है और लाभार्थियों को शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले 30 दिसंबर के अयोध्या दौरे में अपने चुनावी दांव की एक झलक दिखलाई। उन्होंने करीब 16 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया तो रामभक्तों को याद दिलाया कि रामलला साढ़े पांच सौ साल बाद अपने घर में विराजमान होने जा रहे हैं। ध्यान रहे प्रधानमंत्री बार बार एक हजार साल की गुलामी की याद दिला रहे हैं और देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति दिलाने का दावा कर रहे हैं तो दूसरी ओर पांच सौ साल बाद रामलला के विरा. जमान होने की बात भी कह रहे हैं।

पांच सौ साल के बाद रामलला के विरा. जमान होने की बात कहने के साथ ही प्रध ानमंत्री ने यह भी कहा कि सिर्फ रामलला को घर नहीं मिला है, बल्कि देश के चार करोड़ लोगों को भी अपना आवास मिला है। इसके बाद वे मुफ्त रसोई गैस की उज्ज्वला योजना की 10 करोड़वीं लाभार्थी के घर गए और टूटे-फूटे घर में बैठ कर चाय पी। सोचें, यह कितना मजबूत नैरेटिव है? लाभार्थी के इस नैरेटिव ने पिछले लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को बहुत फायदा पहुंचाया था। उसके बाद से तो कई योजनाएं ऐसी चली हैं, जिनका सीधा लाभ करोड़ों लोगों तक पहुंच रहा है। पिछले चुनाव के समय ही किसान सम्मान निधि की शुरुआत हुई थी, जो अभी तक चल रही है और कोरोना महामारी के बाद 80 करोड़ लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज की योजना शुरू हुई थी, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने पांच साल के लिए बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। सो, चार करोड़ लोगों को घर, उज्ज्वला योजना के लाभार्थी के घर की चाय और पांच किलो मुफ्त अनाज पा रहे 80 करोड़ लाभार्थियों को हिंदू गौरव से जोड़ कर मोदी ने जो दांव चला है उसकी क्या काट विपक्षी गठबंधन के पास है? बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या के पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया। वहीं से दो अमृत भारत ट्रेन और छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद उन्होंने अयोध्या हवाईअड्डे का उद्घाटन किया, जिसका नाम महर्षि वा. ल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा अयोध्याध ाम रखा गया है। मोदी विरोधी तकनीकी खामी निकाल कर बता रहे हैं कि हिंदू ध र्म में धाम तो चार ही है मोदी सरकार अयोध्या को धाम बना कर गलत कर रही है। लेकिन उनकी नजर इस पर नहीं जा रही है कि इस हवाईअड्डे की मदद से बुनियादी ढांचे के विकास का कैसा मैसेज बना है और महर्षि वाल्मिकी के नाम पर इसके नामकरण से दलित समुदाय की एक बड़ी जाति के अंदर गर्व का कैसा भाव पैदा हुआ है! रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के बहाने व्यापक हिंदू समाज को साधने की कोशिशों के साथ साथ हिंदू समाज के अंदर के जातीय विभाजन को भी एड्रेस करने का प्रयास इसके जरिए हुआ है। भव्य राममंदिर के निर्माण के साथ साथ पहले दिन से यह प्रचार किया जा रहा है कि अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय शहर के तौर पर विकसित किया जा रहा है, जहां दुनिया भर से लोग रामलला के दर्शन करने आएंगे। इसके लिए नए स्टेशन और नए हवाईअड्डे बनाए जा रहे हैं। शहर के आसपास विकास की बड़ी गतिविधियां चल रही हैं।

फिचर्स/विविध

टेलकम पाउडर कैसे बन सकता है आपके लिये जहर

मुलायम, सफ़ेद और सुगन्धित टेलकम पाउडर बहुत सी भारतीय महिलाओं का सौंदर्य प्रसाधन आइटम है। टेलकम पाउडर पसीने और नमी को शरीर से बाहर निकालने और डिओड्रेंट की भांति काम करता है।

यह बेबी के डायपर से हुए निशानों और रगड़ को कम करने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। फ़ूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (2०1०) ने इसे सुरक्षित कॉस्मेटिक प्रोडक्ट घोषित किया है। लेकिन फिर भी कुछ ऐसी चीजें हैं जो इसे नुकसानकारी बनाती हैं।

1. टेलकम पाउडर जहरीला है टेलकम पाउडर में टैल नामक मिनरल होता है। यह नुकसानकारी है जब इसकी ज्यादा मात्रा जाने-अनजाने में सांस के साथ चली जाए। यह एन्टीसेप्टिक्स, बेबी पाउडर और टेलकम पाउडर में इस्तेमाल होने वाला मुख्य मिनरल है और यह एक सड़कछाप हेरोईन है।

2. सांस से सम्बंधित बीमारियां टेलकम पाउडर से सांस से सम्बंधित समस्याएं पैदा होती हैं खास तौर पर शिशुओं में। अमेरिकन एकेडमी ऑफ़ पीडियाट्रिक्स द्वारा इसका इस्तेमाल कम करने की सलाह दी जा रही है। सांस के साथ जाने पर यह बच्चों में निमोनिया पैदा कर सकता है। इसलिए महिलाओं को सलाह दी जाती है कि बच्चों के लगाने से पहले वे उनके हाथ पर लगाकर देखें। इसे बच्चे के सिर से भी दूर रखना चाहिए।

4. टैल्कोसिस टेलकम पाउडर को इस्तेमाल करने से इसके कुछ कण हवा में फ़ैल जाते हैं जो कि सांस के साथ अंदर चलते जाते हैं और जिससे छींक आना, घबराहट होना, सांस उठना जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। इससे भी ज्यादा, इससे टैल्कोसिस या फेफड़ों में जलन भी पैदा होती है।

5. गर्भाशय की जलन बहुत सी महिलाएं इससे एक सुगन्धित सौंदर्य प्रसाधन के रूप में करती हैं। वे वेजिना पर भी इसका इस्तेमाल करती हैं। जिससे इसके कण गर्भाशय में प्रवेश कर जाते हैं। ये कण पहले फेलोपिन ट्यूब में जाते हैं फिर गर्भाशय तक पहुँच जाते हैं। ये कण यहाँ से आसानी से नहीं निकलते हैं और लम्बे समय तक रहते हैं। इससे गर्भाशय में जलन और गर्भाशय कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां भी हो सकती हैं।

6.गर्भाशय कैंसर कैंसर प्रिवेंशन कोएलिशन का मानना है कि इस तरह के सौंदर्य प्रसाधनों के इस्तेमाल से गर्भाशय के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। हर 5 में से 1 महिला इनका इस्तेमाल करती है। पाउडर महिला के प्रजनन तंत्र द्वारा गर्भाशय तक पहुँचता है। अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के अनुसार जो महिलाएं बच्चेदानी निकला देती हैं उनमें पाउडर के इस्तेमाल से कैंसर का खतरा कम होता है। जननांगों में पाउडर इस्तेमाल करने वाली महिलाओं में गर्भाशय कैंसर सामान्य महिलाओं की अपेक्षा ज्यादा होता है।

7. एंडोमेट्रियल कैंसर एक स्टडी के अनुसार जो महिलाएं ज्यादा टेलकम पाउडर इस्तेमाल करती हैं और रजोनिवृति के बाद भी इस्तेमाल करती हैं उनमें एंडोमेट्रियल कैंसर का खतरा ज्यादा होता है।

8. फेफड़ों का कैंसर जो लोग ज्यादा पाउडर इस्तेमाल करते हैं वे सांस के द्वारा इसके कणों को अंदर ले जाते हैं जिससे फेफड़ों से सम्बंधित समस्याएं होती है और आगे चलकर यह फेफड़ों के कैंसर में भी बदल सकती हैं।

इसीलिए ज्यादातर लोग कैंसर की रोकथाम के लिए कोर्नस्टार्च युक्त बॉडी पाउडर इस्तेमाल करने के सलाह देते हैं।

सर्दियों में बगीचे की देखभाल करने के सिंपल टिप्स

सर्दियों में कुछ फूलों को विशेष ध्यान की आवश्यकता होती है। सर्दियों में आपको अपने बगीचे में ज्यादा वैराइटियों के फूल देखने को मिल सकते हैं। अगर आप अपने बगीचे को और भी ज्यादा निखारना चाहते हैं तो उनकी साफ सफाई और पौधों को कीट से बचाना होगा। सर्दियों में आप अपने बगीचे के लिये कुछ ऐसे फूलों का चुनाव कर सकते हैं जो ठंडे तापमान में आसानी से उग सकें। आज कल तो सर्दी इतनी ज्यादा बढ़ चुकी है कि हमारे पेड़ पौधों के जमने और खराब होने का डर लगा ही रहता है। सर्दियों में छोटे पौधे क्या बड़े पौधों की भी हालत खराब हो जाती है। कड़ी सर्दी में मिट्टी जम जाती है जिससे वह पानी अवशोषित नहीं कर पाती और पेड़ सूख जाते हैं। कुछ विशेष तैयारी के साथ आप सर्दियों में अपने फूलों की अच्छी देखभाल कर सकते हैं, आइये जानते हैं कैसे ? सर्दियों में बगीचे की देखभाल करने के सिंपल टिप्स सफाई बगीचे की मिट्टी को एक बार खोद कर उसमें जमी पत्तियां, घांस और बेकार की चीजों को निकालिये, जिससे वह ठीक तरह से पानी को अवशोषित कर सके। अगर मिट्टी में नमी बरकरार रहेगी तो आपके फूल और भी ज्यादा खिलेंगे। सर्दियों में बगीचे की देखभाल करने के सिंपल टिप्स गीली घास की एक परत लगाएं गीली घास एक इंसुलेटर का कार्य करती है, जो कि मिट्टी को गर्मी और नमी प्रदान करती है। यह पेड़ की जड़ों को ठंड लगने से बचाती है। साथ ही यह घास-फूस को दबाती भी है। ऋ्रष्ठ: सर्दियों में कैसे करें गुलाब के फूलों की बागवानी कंबल या शीट अगर आपको लगता है कि सर्दी बिल्कुल जमा देने वाली होगी तो अपने फूलों को एक प्लास्टिकी शीट या पतले कंबल से ढंक दें। इससे वह बचे रहेंगे और मरेंगे नहीं। सर्दियों में बगीचे की देखभाल करने के सिंपल टिप्स हमेशा पानी दें अगर आप चाहते हैं कि आपके पौधे हमेशा सही रहें तो उन्हें हमेशा पानी देते रहें। लेकिन

कुछ फूलों को थोड़ी कम मात्रा में पानी की आवश्यकता पड़ती है इसलिये सावधानी बरतें। सर्दियों में बगीचे की देखभाल करने के सिंपल टिप्स खाद डालना महीने में एक या दो बार फूलों को अच्छी खाद दें। सूखे पत्ते, सब्जियों के छिलके अज़ैर अन्य प्राकृतिक पदार्थ खाद के रूप में प्रयोग की जा सकती है।

सोफे को हमेशा अच्छा कैसे बनाएं रखें ?

सोफे को खरीदते समय सबसे ज्यादा ध्यान सोफे के कवर पर देना पड़ता है। अगर आप सफेद लैदर लेते है तो इससे आपका हर मौसम में आसानी रहेगी, उस पर बैठने में दिक्कत नहीं होगी। इसी तरह सोफे और उसके कवर के चयन में कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। किंग फर्नीचर रेसीडेंट ट्रेंड एक्सपर्ट बताते है कि सोफ की पंसद आपकी लाइफ स्टाइल और पसंद को बताती है। अगर आप सोफा खरीदते है तो उसकी केयर भी करना सीखना होता है। तो आइए जानते है कैसे करें अपने सोफे की केयर : सोफे को हमेशा अच्छा कैसे बनाएं रखें ? अपने सोफे की केयर ऐसे करें- 1) फ्रैबिक वाले सोफो पर वैक्यूम के लो प्रेशर का यूज करें, इससे वह खराब नहीं होगे। 2) सोफे पर पड़ने वालों दागों को तुंरत साफ कर लें। इससे उन पर निशान नहीं पडेंगे। 3) सोफे को अच्छा बनांए रखने के लिए किंग केयर फैब्रिक क्लीनर का यूज करें। इससे घर के अन्य उत्पादों के दाग भी आसानी से छुडाएं जा सकते है। 4) सोफे पर किसी भी नुकीले सामान को न रखें। इससे सोफे को नुकसान पहुंच सकता है। 5) सोफे की नियमित सफाई के लिए क्लीनर का उपयोग न करें। आप धूल आदि को रोज के रोज समय रहते साफ कर सकते है। 6) सोफे के फ्रैब्रिक को हमेशा धूप की रोशनी से बचाकर रखें। इस पर पानी आदि को पड़ने से बचाएं। 7) सोफे पर नंगे पैर या फिर गंदे पैर न रखें। इससे उसकी सतह खराब नहीं होगी। 8) अपने सोफे की कंडीशन हमेशा अच्छा बनाएं रखने के लिए उसकी नियमित देखभाल करें। साथ ही कवर भी लगाएं।

वॉशिंग मशीन को कैसे साफ करें ?

यदि आपकी वॉशिंग मशीन आपके कपड़ों के लिये गंदी लग रही है, उसे वापस अच्छा बनायें, हमारी पांच क्लीनिंग टिप्स से- अपनाइये ये आसान से टिप्स- 1. डिटर्जेंट बॉक्स साफ करें- वॉशिंग मशीन में डिटर्जेंट बॉक्स कीटाणुओं के लिये स्वर्ग होता है, उसमें से वॉशिंग पॉवडर निकालें और अच्छी तरह साफ करें। यदि संभव हो तो पूरे बॉक्स को बाहर निकाल लें और किसी पुराने टूथ ब्रश से साफ करें। सफाई क लिये साधारण घरेलू क्लीनर पर्याप्त है। वॉशिंग मशीन को कैसे साफ करें ? 2. फिल्टर को खोल दें- फिल्टर दूसरा स्थान है, जहां कीटाणु जमा हो जाते हैं क्योंकि यह स्थान गर्म व नम रहता है। नियमित रूप से इसे खाली करें और गंदगी व गर्दा निकाल दें जो उसमें जमा है। 3. ड्रम साफ करें- वॉशिंग मशीन के अंदर का ड्रम भी साफ करें ताकि आप की मशीन चमचमा उठे। वैसे ऐसा होता नहीं है। उसमें कई सारे छोटे-छोटे छिद्र होते हैं, जहां कीटाणु जमा हो जाते हैं। बेहतर है हर दो महीने में आप खाली मशीन को चला दें। उसके लिये आप सोडा के क्रिस्टल या डिशवॉशर टैबलेट्स का इस्तेमाल करें और गर्म पानी (6० डिग्री तक ठीक रहेगा) का इस्तेमाल करें। यह कीटाणु को मार देगा, बदबू निकाल देगा और साबुन जमने से रोकेगा। 4. बदबू रोकें- बदबू रोकने के लिये कपड़े धोने के बाद वॉशिंगमशीन के ढक्कन को थोड़ा खोल दें और हवा को ड्रम तक जाने दें। इससे कीटाणुओं को पनपने से रोका जा सकेगा। 5. सही डिटर्जेंट इस्तेमाल करें - कपड़े धोने के लिये सही डिटर्जेंट पॉवडर का इस्तेमाल करें, न कि लिक्विड सोप का। पानी का अतिरिक्त झाग और लिक्विड सॉफ्टनर मशीन में अवशिष्ट के रूप में पड़े रह जाते हैं, जो आगे चलकर गंदी बदबू पैदा करते हैं।

नीति आयोग उपाध्यक्ष से डीएम की मुलाकात, विकास योजनाओं पर मंथन

अल्मोड़ा। जनपद भ्रमण पर पहुंचे नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन के बेरी से जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने मंगलवार को शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान जनपद की भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कसार देवी स्थित एक होटल में हुई इस भेंट में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, स्वच्छता, ग्राम्य विकास, रोजगार सृजन और तकनीकी विकास जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित विकास योजनाओं, उपलब्धियों और चुनौतियों की जानकारी भी उपाध्यक्ष को दी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से हिमाद्रि हैंडलूम से निर्मित शॉल और अन्य पहाड़ी उत्पाद भेंट किए। वहीं, नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने अल्मोड़ा के प्राकृतिक सौंदर्य और

स्वच्छ वातावरण की सराहना की। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर घोड़के, मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप धौलाखंडी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

श्रीनगर गढ़वाल। डायट चड़ीगांव में 27 से 31 मार्च तक आयोजित पांच दिवसीय कोलोकेटेड आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण मंगलवार को संपन्न हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य स्वराज सिंह तोमर के निर्देशन में दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। उन्होंने प्रशिक्षुओं से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेते हुए प्राप्त ज्ञान को अपने कार्यक्षेत्र में लागू करने की अपेक्षा जताई। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। प्रथम दिवस राष्ट्रीय शिक्षा नीति, ईसीसी पाठ्यक्रम 2024 एवं आधारशिला सीखने के प्रतिफल पर चर्चा हुई। द्वितीय दिवस समावेशी शिक्षा, बालवाटिका में समुदाय की सहभागिता एवं बाला पर प्रशिक्षण दिया गया। तृतीय दिवस में बुनियादी साक्षरता, मौखिक भाषा विकास और ध्वनि जागरूकता पर जानकारी दी गई। चौथे दिन शब्द भंडार, वर्ड डिकोडिंग, धाराप्रवाह पठन एवं लेखन पर सत्र हुए, जबकि अंतिम दिन संख्या ज्ञान, वर्गीकरण एवं संख्या पहचान जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में संयोजक जगमोहन सिंह कठैत, समन्वयक डॉ. अरविंद सिंह, प्रवक्ता रेणु, विमल ममगाईं, विनय किमोठी सहित एमटी हेमलता बिष्ट, सुषमा गुसाईं, पुनम गुसाईं और अन्य प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

मलेथा और नैथाणा के प्रभावितों का भूमि मुआवजे का जल्द निस्तारण किया जाए

नई टिहरी। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन और जीवीके बांध परियोजना से देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र में उपजी समस्याओं के निराकरण को लेकर डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता और देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी की देखरेख में बैठक संपन्न हुई। उन्होंने रेलवे अधिकारियों को मलेथा और नैथाणा ग्रामीणों के भूमि मुआवजे प्रकरणों के जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। जिला सभागार में संपन्न हुई बैठक में विधायक कंडारी ने नैथाणा में 2ध्40 करोड़ से खेल मैदान का निर्माण करने के साथ मलेथा रेलवे स्टेशन का नाम वीर शिरोमणि माधो सिंह भंडारी के नाम पर रखने के साथ उनकी मूर्ति लगाने तथा उनका परिचय को प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। विधायक ने रेलवे परियोजना के अधिकारियों से रानीहाट, देवली और घिल्डियाल गांव सड़क पर सोलर लाइटें लगाने को कहा। डीएम ने ग्रामीणों की भूमि मुआवजा संबंधी प्रकरणों के निस्तारण हेतु एसडीएम कीर्तिनगर को शीघ्र कमेटी गठित कर पुनः पारदर्शिता के साथ सत्यापित करते हुए रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा। अधिकारियों ने बताया नैथाणा सड़क के लिए धनराशि मिलने के उपरांत आरडब्ल्यूडी घनसाली को कार्यदायी संस्था बनाया गया। विधायक ने परियोजना क्षेत्र में पथ प्रकाश, पानी का छिड़काव, नैथाणा के अंतर्गत पुलों का निर्माण और वाई जंक्शन के निर्माण पर अधिकारियों से चर्चा की। जीवीके के अधिकारियों ने कहा कि कंपनी डैम क्षेत्र चौरास में करीब डेढ़ किमी सड़क निर्माण का कार्य अप्रैल माह के अंत तक पूरा कर देगी। विधायक ने कहा कि उक्त दोनों परियोजनाएं राष्ट्रहित की हैं, आने वाले समय में क्षेत्र का चौमुखी विकास होगा। चारधाम यात्रा को लेकर विधायक ने कहा कि सड़क, स्वास्थ्य सहित अन्य अवस्थापना सुविधाएं पूरी कर दी गई हैं।

एलपीजी आपूर्ति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, बुकिंग पर तुरंत मिले सिलेंडरः डीएम

हरिद्वार जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने मंगलवार को आपदा कंट्रोल रूम के सभागार में गैस एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि एलपीजी गैस आपूर्ति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बुकिंग के बाद उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराएं। यदि किसी उपभोक्ता को गैस डिलीवरी का संदेश मिलने के बावजूद सिलेंडर नहीं मिलता है तो संबंधित एजेंसी की जांच कर दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गैस एजेंसियों के बाहर अनावश्यक भीड़ और लंबी कतारें न लगें, इसके लिए होम डिलीवरी व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए। साथ ही उपभोक्ताओं को केवाईसी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से पूरी करने के लिए प्रेरित करने को कहा गया। बैठक में डीएम ने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी गैस एजेंसियों में पेयजल और शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था हो और बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने उपलब्ध स्टॉक के अनुसार व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। चारधाम यात्रा को देखते हुए गैस आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी न रहे, इसके लिए जिला पूर्ति अधिकारी और गैस एजेंसियों को व्यापारिक प्रतिष्ठानों के साथ समन्वय स्थापित करने को कहा गया। वहीं, जिन क्षेत्रों में पीएनजी गैस लाइन बिछाई जा रही है, वहां के नागरिकों, व्यापारियों और होटल-ढाबा संचालकों से पीएनजी कनेक्शन लेने की अपील की गई।एलपीजी से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए उपभोक्ता कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 01334-223999, 239444 और मोबाइल नंबर 9068197350 पर संपर्क कर सकते हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा, अपर जिलाधिकारी पी. आर. चौहान, जिला पूर्ति अधिकारी मुकेश पाल समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

गैस के समाधान के लिए प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

पौड़ी। मुख्यालय पौड़ी में इन दिनों घरेलू और कॉमर्शियल गैस की किल्लत से आम जनता और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि लोग दूर-दराज क्षेत्रों से सिलिंडर लेने पहुंच रहे हैं लेकिन पर्याप्त आपूर्ति न होने से कई उपभोक्ताओं को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। मंगलवार को नगर पालिका के सभासदों ने जिला पूर्ति अधिकारी से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। उन्होंने समस्या का जल्द समाधान की मांग की है। सभासद रेखा देवी व अरविंद रावत ने कहा कि गैस वितरण से एक दिन पूर्व संबंधित वार्ड के सभासद को समय और स्थान की सूचना दी जाए ताकि व्यवस्था सुचारु बनाई जा सके। इसके अलावा घरेलू और कॉमर्शियल गैस की नियमित और पर्याप्त आपूर्ति

सुनिश्चित करने, कालाबाजारी और अधिक मूल्य वसूली पर रोक लगाने के लिए सख्त निरीक्षण करने व आपातकालीन गैस स्टॉक की व्यवस्था करने की मांग भी उठाई है। सभासदों ने कहा कि यदि शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आम जनता और व्यापारियों की परेशानी और बढ़ सकती है। इस दौरान सभासद, अनीता रावत, गौरव सागर, शुभम रावत, बृजमोहन नेगी मौजूद रहे।

नशे के खिलाफ गूंजा बैजनाथः जागरूकता की गर्जना बनकर सड़कों पर उतरी पुलिस की बाईक रैली

बागेश्वर। उत्तराखण्ड को नशा-मुक्त बनाने के संकल्प को साकार रूप देने की दिशा में आज बैजनाथ की धरती पर एक सशक्त और प्रेरणादायी पहल देखने को मिली, जब कोतवाली बैजनाथ पुलिस ने 'नशा मुक्त उत्तराखण्ड' अभियान के अंतर्गत भव्य जनजागरूकता बाईक रैली का आयोजन किया। पुलिस मुख्यालय देहरादून के निर्देशों तथा पुलिस अधीक्षक बागेश्वर के कुशल पर्यवेक्षण में आयोजित यह रैली न केवल एक औपचारिक कार्यक्रम रही, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को झकझोर देने वाला संदेश बनकर उभरी। दिनांक 31 मार्च 2026 को आयोजित इस रैली का शुभारंभ कोतवाली बैजनाथ गेट से हुआ, जो बैजनाथ तिराहा, ऐतिहासिक बैजनाथ मंदिर, टीट बाजार, गोलू पुल, गरुड़ बाजार जैसे प्रमुख स्थलों से होते हुए पंचास तिराहा, गरुड़ में जाकर संपन्न हुई। रैली के दौरान पुलिस कर्मियों की सक्रियता और उत्साह ने पूरे क्षेत्र में जागरूकता का वातावरण निर्मित कर दिया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं और छात्र-छात्राओं को नशे के घातक प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें इस विनाशकारी प्रवृत्ति से दूर रहने के लिए प्रेरित करना रहा। पुलिस टीम ने प्रभावी संवाद के माध्यम से स्पष्ट किया कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, सामाजिक प्रतिष्ठा और उज्ज्वल भविष्य को भी गहरे अंधकार में धकेल देता है। रैली के दौरान आमजनमानस को यह भी जागरूक किया गया कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशा तस्करी या अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार में संलिप्त पाया जाता है,

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक **गार्गी मिश्रा** द्वारा इंटर ग्राफिक आफॅसेट प्रिंटर्स 64 नेशविला रोड़ देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित, 98, 2-फ्लोर, सनशाइन अपार्टमेन्ट, नागल हटनाला, कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 से प्रकाशित।

सम्पादकः
गार्गी मिश्रा
8765441328

समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे।